वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी सप्ताह समारोह

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में 9 से 16 सितंबर, 2013 तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से हिन्दी सप्ताह मनाया गया। हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ 9 सितंबर को प्रातः उदघाटन समारोह के साथ किया गया था जिसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थी उपस्थित थें। कायक्रम का शुभारंभ पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्वलित करके किया गया। सभा के आरंभ में संस्थान के शोधार्थियों ने श्री भुबन कछारी के निर्देशन में देश प्रेम की भावना से प्रेरित एक समूह गान प्रस्तूत किया। कार्यकारी हिन्दी अधिकारी डॉ. पी. के. वर्मा ने सर्वप्रथम डॉ. एन. एस. बिष्ट, निदेशक द्वारा देहारादून से प्राप्त हिन्दी सप्ताह का शुभकामना सन्देश सभी के समक्ष रखा। माननीय निदेशक महोदय ने अपने सन्देश में सभी को हिन्दी सप्ताह सफल बनाते हुए सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आह्वान किया।

हिन्दी सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात् दिनांक 9 सितंबर को कविता पाठ एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वलिखित व अन्य द्वारा लिखित कविताओं का पाठ किया। निबंध लेखन के विषय थें – क) भारत की सांस्कृतिक विविधता, ख) भ्रष्टाचार और समाज, और ग) पर्यावरण सुरक्षा में नागरिक का कर्त्तव्य।

हिन्दी सप्ताह के द्वितीय दिन (दिनांक 10 सितंबर) कर्मचारियों और स्कूली बच्चों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान के कर्मचारियों के बच्चों और निकटस्थ स्कूली बच्चों को इस प्रतियोगिता में आमंत्रित किया गया था। बच्चों के लिए तीन श्रेणी में, जैसे, क) कक्षा पाँच तक, ख) कक्षा छह से आठ, और ग) कक्षा नौ से दस तक यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

राजभाषा हिन्दी में दैनिक कार्य करने और कर्मचारियों के समस्याओं को दूर करने के लिए हिन्दी कार्यशाला आयोजन करना महत्वपूर्ण उपाय है। इस को ध्यान में रखते हुए हिन्दी सप्ताह के तीसरे दिन " राजभाषा हिन्दी" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट के हिन्दी अधिकारी श्री अजय कुमार मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थें। श्री कुमार ने अपने व्याख्यान में राजभाषा हिन्दी और राष्ट्रभाषा हिन्दी के अंतर को समझाते हुए राजभाषा हिन्दी के प्रति हमारें संवैधानिक उत्तरदायित्व को सरल एवं सुबोध भाषा में सभा के समक्ष रखा। कार्यशाला के उपरान्त एक राजभाषा ज्ञान पर लिखित परीक्षा आयोजित की गई।

हिन्दी सप्ताह के चौथे दिन अपराह्न 3 बजे सम्मेलन कक्ष में हिन्दी में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था "अलग-अलग राज्य की मांग सही है (पक्ष/विपक्ष)"। दिनांक 13 सितंबर को सभी अधिकारी और कर्मचारी के लिए प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में तीन-तीन सदस्यों के कुल 9 दलों ने भाग लिया। इसका संचालन संस्थान के वैज्ञानिक श्री राजीब कुमार कलिता और डॉ. ध्रुब ज्योति दास ने किया। इसके अतिरिक्त "सभी के लिए शिक्षा" एवं "स्वास्थ्य ही परम धन है" विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी।

हिन्दी सप्ताह का समापन दिनांक 16 सितंबर, 2013 के अपराह्न आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए किया गया। इस सभा में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अरुण प्रताप सिंह , डॉ. आर. के. बोरा, श्री राजीब कुमार कलिता, श्री अरूप कुमार डेका, श्री बिजय प्रधान, अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और स्कूली बच्चों ने भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता समूह समन्वयक (अनु.) डॉ. आर. के. बोरा ने किया। समापन समारोह के प्रारंभ में सुश्री डेइजी बोरा, कनिष्ठ शोधार्थी ने वंदेमातरम गीत प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कार्यकारी हिन्दी अधिकारी डॉ. पी. के. वर्मा ने हिन्दी दिवस पर भारत के गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे द्वारा दिये गये हिन्दी दिवस के संदेश को सभा के समक्ष रखा। असमीया संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है "नाम-प्रसंग ", जहाँ भगवान की आराधना गीत एवं वाद्य के जरिए किया जाता है। इसकी एक प्रस्तुति श्री जगत बरूआ और उनके दल ने रखा। संस्थान के शोधार्थी मो. तफजिल अली और बसंत नायक ने हिन्दी कविता पाठ किया। इसके बाद श्री कल्याण हजारिका और उनके दल ने वायलिन वादन द्वारा सभा में सजीवता का संचार किया। वायलिन वादन के बाद संस्थान की ही एक बाल कलाकार कुमारी अनामिका कछारी ने जादू का प्रदर्शन किया। जादू ने सबका अच्छा मनोरंजन किया और सभी ने अनामिका कछारी की उज्वल भविष्य की कामना की। श्री भुबन कछारी, अनुसंधान सहायक ने भी एक गज़ल प्रस्तुत की। इसके बाद उपस्थित सभासदों ने हिन्दी सप्ताह और आयोजित कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार व्यक्त किये और इन कार्यक्रमों की सराहना की। रंगारंग कार्यक्रम के बाद सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगितओं के विजेताओं की घोषणा की गई और उनको पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। सभा के सभापित डॉ. आर. के. बोरा ने अपने भाषण में राजभाषा हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए जोर दिया। उन्होंने राजभाषा हिन्दी को सम्मानीय आसन में बैठाने के लिए सबका सहयोग मांगा। कार्यक्रम के अंत में श्री शंकर शर्मा, हिन्दी अनुवादक ने सभी धन्यवाद ज्ञापन किया। समापन समारोह का संचालन सुश्री मोनिषा नेउग कर रही थी।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम निम्न प्रकार हैं –

क्रम संख्या	प्रतियोगिता का नाम	पुरस्कार	विजेता का नाम
1	कविता पाठ प्रतियोगिता (स्वलिखित/परलिखित) कुल प्रतिभागी- 14, दिनांक 9 सितंबर, 2013	प्रथम	श्रीमती निबेदिता बरुआ दत्त
		द्वितीय	श्री देवपद बोरा
		तृतीय	सुश्री मोनिषा नेउग
		सांत्वना	श्री तफजिल अली
2	निबंध प्रतियोगिता कुल प्रतिभागी – 14 दिनांक 9 सितंबर, 2013	प्रथम	श्री ज्ञान प्रतिम गोगोई
		द्वितीय	इलोरा दत्त बोरा
		तृतीय	सुश्री संगीता बसुमतारी
		सांत्वना	श्री अरबिंद डेका
3	आशुभाषण (Extempore Speech)	प्रथम	सुश्री मोनिषा नेउग

	(स्टाफ के लिए) कुल प्रतिभागी – 25, दिनांक 10 सितंबर, 2013	द्वितीय	डॉ. ध्रुबज्योति दास
		तृतीय	श्री राजीब कुमार कलिता
		सांत्वना	श्री राजऋषि भट्टाचार्या
4	आशुभाषण (Extempore Speech) (बच्चों के लिए) **कक्षा – 1-5** कुल प्रतिभागी - 12 दिनांक 10 सितंबर, 2013	प्रथम	ईशिका रंजन
		द्वितीय	आकाशदीप डेका
		तृतीय	मधुष्मिता गोगोई
		सांत्वना - १	आस्था कौशिक
		सांत्वना- २	तन्वी कश्यप
		सांत्वना- ३	मौवरषा दास
5	आशुभाषण (Extempore Speech) (बच्चों के लिए) **कक्षा – 6 – 8** कुल प्रतिभागी – 10, दिनांक 10 सितंबर, 2013 -	प्रथम	मनीषा हजारिका
		द्वितीय	ज्ञानश्री कलिता
		तृतीय	शुभलक्ष्मी गोगोई
		सांत्वना - १	बिदिख्या गोगोई
		सांत्वना- २	विशाल हजारिका
		सांत्वना- ३	पंचमी गोगोई
6	आशुभाषण (Extempore Speech) (बच्चों के लिए) **कक्षा – 9– 10** कुल प्रतिभागी – 7, दिनांक 10 सितंबर, 2013	प्रथम	सुश्री संजीदा आफ़रीन
		द्वितीय	पार्थप्रतिम फुकन
		तृतीय	अरुणदीप डेका
		सांत्वना - १	बितुपन बारहोई
		सांत्वना- २	अनुपज्योति बोरा
		सांत्वना- ३	बिपुल गोगोई
7	राजभाषा हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता कुल प्रतिभागी – 19 दिनांक 11 सितंबर, 2013	प्रथम	श्रीमती निबेदिता बरुआ दत्त
		द्वितीय	श्रीमती इलोरा दत्त बोरा
		तृतीय	श्री अरबिंद डेका
		सांत्वना	श्री प्रशान्त सैकिया
8	वाद-विवाद प्रतियोगिता विषयः अलग-अलग राज्य की मांग सही है (पक्ष/विपक्ष) कुल प्रतिभागी – 17, दिनांक 12 सितंबर, 2013	प्रथम	सुश्री मोनिषा नेउग
		द्वितीय	श्री राजीब कुमार कलिता
		तृतीय	श्रीमती निबेदिता बरुआ दत्त
		सांत्वना	डॉ. ध्रुबज्योति दास
9	प्रश्नोत्तरी (क्विज़)	प्रथम	श्री प्रतुल हजारिका
			श्री हितेन्द्र बकतियाल

	कुल टीमे: 9 दिनांक 13 सितंबर, 2013		श्री बसंत नायक
		द्वितीय	श्रीमती इलोरा दत्त बोरा
			श्रीमती निबेदिता बरुआ दत्ता
			श्रीमती प्रीतिमणि दास बोरा
		तृतीय	डॉ रजिब कुमार बोरा
			श्री अरबिन्द डेका
			सुश्री कृष्णा दत्ता
		सांत्वना	श्री तफजिल अली
			श्री दीपांकर दास
			श्री अमरज्योति गोगोई
	दर्शकों में से सबसे ज्यादा उत्तर देने वाले		मो. निसार आलम
10	स्लोगन प्रतियोगिता	प्रथम	श्री अरूप कुमार डेका
		द्वितीय	श्री राजऋषि भट्टाचार्या
		तृतीय	सुश्री मोनिषा नेउग
		सांत्वना	श्री अंकुर ज्योति सैकिया

हिन्दी सप्ताह समारोह की कुछ झलकियाँ

हिन्दी सप्ताह के मध्य में आयोजित आशु-भाषण प्रतियोगिता मे विभिन्न स्कूलों से आए बच्चे

हिन्दी सप्ताह समापन समारोह की कुछ झलकियाँ

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी सप्ताह

▲ पूर्वोदय संवाददाता

जोरहाट, १८ सितंबर। निकटवर्ती सोटाई स्थित वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में बीते ९ से १६ सितंबर तक हिन्दी समोह का आयोजन किया गया। संस्थान के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करते हुए पारंपरिक तरीके से हिन्दी सप्ताह का औपचारिक उद्घाटन किया गया। संस्थान में कार्यरत कनिष्ठ शोधार्थियों ने सभा के प्रारंभ में एक देश भक्तिमूलक समूह गीत पेश किया। हिन्दी अधिकारी डा. पीके वर्मा ने सभा के समक्ष संस्थान के निदेशक डा. एनएस बिष्ट द्वारा देहरादून से प्रेषित संदेश को सभा के समक्ष रखा। निदेशक डा. आरके बोरा ने राजभाषा हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने पर जोर दिया।

उद्घाटन समोह के अवसर पर हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता हुई। इसमें स्वलिखित तथा अन्य द्वारा लिखित कविता का पाठ किया गया। अपराह्न को आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय था- भारत की सांस्कृतिक विविधताएं, समाज और भ्रष्टाचार तथा पर्यावरण सुरक्षा के लिए नागरिक का कर्त्तव्य। दूसरे दिन संस्थान के कर्मचारियों के अतिरिक्त स्कूली बच्चों के लिए भी आशुभाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें पांचवीं कक्षा वर्ग में ईशिका रंजन, आकाशदीप डेका, मधुस्मिता गोगोई को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्क प्राप्त हुआ तथा आस्था कौशिक, तन्वी कश्यप और मौबरसा दास को सांत्वना पुरस्क मिला। कक्षा ६ से ८ वाले वर्ग में मनीषा हजारिका ने प्रथम, ज्ञानश्री कलिता ने द्वितीय, शुभलक्ष्मी गोगोई ने तृतीय पुरस्क तथा बिदिहा गोगोई, विशाल हजारिका, पंचमी गोगोई ने सांत्वना पुरस्कार जीता। कक्षा ९ से १० वर्ग में सुश्री संजीदा आफरिन, पार्थप्रतिम फूकन तथा अरूणदीप डेका को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्क मिला। बितुपन बाढोई, अनुपज्योति बोरा, बिपुल गोगोई को सात्वना पुरस्क मिला।

तीसरे दिन एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। निस्ट, जोरहाट के हिन्दी अधिकी अजय कुमार विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। चौथे व पांचवें दिन कर्मचारियों के लिए हिन्दी में वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान के वैज्ञानिक राजीव कुमार कलिता और डा. ध्रुबज्योति दास ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन किया। इसके अतिरिक्त 'सभी के लिए शिक्षा' एवं 'स्वास्थ्य ही परम धन है' विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। हिन्दी समाह के समापन समारोह के दिन एक रंगारंग कर्यक्रम हुआ। इसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थी उपस्थित थें। इस दौरान हिन्दी दिवस पर सुशील कुमार शिंदे का संदेश पढ़ कर सुनाया गया। अंत में विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। शंकर शर्मा, हिन्दी अनुवादक ने सभी का आभार जताया। समापन समारोह का संचालन मनीषा नेउग ने किया।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में धूमधाम से मना हिंदी दिवस समारोह

जोरहाट, 19 सितंबर (कासं)। जिले के सोटाई स्थित वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में बीते नौ से 16 सितंबर तक हिंदी समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। समारोह के पहले दिन संस्थान के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करते हुए पारंपरिक तरीके से हिंदी सप्ताह का औपचारिक उद्घाटन किया गया। संस्थान में कार्यरत कनिष्ठ शोधार्थियों ने सभा के प्रारंभ में देश भक्ति प्रस्तुत किया। इसके बाद कार्यकारी हिंदी अधिकारी डा. पी के. वर्मा ने सभा के समक्ष संस्थान के निदेशक डॉ. एन. एस. बिष्ट द्वारा देहरादून से प्रेषित संदेश को सभा के समक्ष रखा। निदेशक डॉ. बिस्ट ने अपने संदेश में सभी से हिंदी सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने का आव्हान किया। सभा में समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ. आर. के. बोरा ने राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए जोर दिया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्वलिखित,तथा अन्य द्वारा लिखित कविता का पाठ किया गया तथा भारत की सांस्कृतिक विविधताएं समाज और भ्रष्टाचार तथा पर्यावरण सुरक्षा के लिए नागरिक के कर्त्तव्य विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिंदी सप्ताह के दूसरे दिन संस्थान के कर्मचारियों के अतिरिक्त स्कूली बच्चों के लिए भी आशुभाषण का प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कक्षा पांचवीं श्रेणी में ईशिका रंजन, आकाशदीप डेका, मधुस्मिता गोगोई को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा आस्था कौशिक, तन्वी कश्यप और मौबरसा दास को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ग कक्षा 6 से 8 की श्रेणी में मनीषा हजारिका ने प्रथम, ज्ञानश्री कलिता ने द्वितीय, शुभलक्ष्मी गोगोई ने तृतीय पुरस्कार तथा बिदिहा गोगोई, विशाल हजारिका, पंचमी गोगोई ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त। कक्षा 9 से 10 की श्रेणी में सुश्री संजीदा आफरिन, पार्थ प्रतिम फूकन तथा अरुण दीप डेका को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा बितुपन बारहोई, अनुपज्योति बोरा, बिपुल गोगोई को सांत्वना पुरस्कार मिला। हिंदी सप्ताह के तिसरे दिन एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें उत्तर-पूर्व स्थित तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट के हिंदी अधिकारी अजय कुमार विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। हिंदी सप्ताह के चौथे व पांचवें दिन कर्मचारियों के लिए हिंदी में वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान के वैज्ञानिक राजीव कुमार कलिता व ध्रुबज्योति दास ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन किया। इसके अतिरिक्त सभी के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य ही परम धन है विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। 16 सितंबर को हिंदी सप्ताह के समापन समारोह के दिन एक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित गया, जिसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थी उपस्थित थे। समापन समारोह के दौरान हिंदी दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे द्वारा दिए गए हिंदी दिवस के संदेश को कार्यकारी हिंदी अधिकारी डा. पी के वर्मा ने सभा के समक्ष रखा। इसके बाद सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को घोषणा की गई और उन्हें पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में शंकर शर्मा, हिंदी अनुवादक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। समापन समारोह का संचालन मनिषा नेउग ने किया।

पूर्वांचल प्रहरी

20 सितंबर, 2013

दैनिक समाचार पत्रों में हिन्दी सप्ताह की खबरें